



कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033

वर्ष: 51

संख्या: 90

प्रभात

कोटा, सोमवार 12 जनवरी, 2026

कोटा/24/2012-14

पृष्ठ 6

मूल्य 2.50 रु.

कभी भी हो सकता है, ग्रीनलैंड पर अमेरिका का हमला

ट्रंप को डर है कि देर होने से रूस व चीन को ग्रीनलैंड में दखल देने का मौका मिल जाएगा

वॉशिंगटन, 11 जनवरी। ग्रीनलैंड पर अमेरिका का सैन्य हमला बहुत जल्द हो सकता है। यह आशंका जताई जा रही है क्योंकि एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी स्पेशल फोर्सेज के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है। ट्रंप ने कथित तौर पर अमेरिकी सेना के शीर्ष अफसरों से कहा है कि उनको ग्रीनलैंड में कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि इस मामले में ज्यादा देरी ठीक नहीं है। ट्रंप को लगता है कि ग्रीनलैंड पर देर करने से चीन और रूस को वहां दखल का मौका मिल सकता है। कई एक्सपर्ट नेअगले कुछ दिनों या घंटों में ही हमले की आशंका जताई है। यह रिपोर्ट ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा किया जाएगा। ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा के

- यह चर्चा है कि ट्रंप ने स्पेशल फोर्सेज के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है, पर सेना अभी तक इस हमले पर एक राय नहीं है।

पोछे अमेरिका की सुरक्षा का हवाला दिया है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका ऐसा नहीं करेगा तो चीन या रूस यह कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से कहा गया है कि वह ग्रीनलैंड पर नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए सैन्य विकल्प खुला है। ग्रीनलैंड फिलहाल डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। डेली मेल ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ट्रंप जल्दी से जल्दी ग्रीनलैंड पर कब्जे का प्लान चाहते हैं। ट्रंप हमले की योजना के लिए जाईंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि जाईंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ इससे सहमत नहीं है। दूसरी ओर

राजनीतिक सलाहकार स्टीफन मिल ग्रीनलैंड पर कार्रवाई चाहते हैं। रिपोर्ट में डिप्लोमैटिक केबल के हवाले से कहा गया है कि घरेलू राजनीतिक कारणों से ट्रंप एक ऐसी स्थिति बना सकते हैं, जो बाद में समझौते की तरफ मुड़े। यूरोपीय अधिकारियों को डर है कि ट्रंप के लिए मिड-टर्म से पहले मौके खत्म हो रहे हैं, इसलिए वह जल्द ही ग्रीनलैंड में कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि अभी सेना में इस पर एकराय नहीं है। ट्रंप कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा करनी होगी क्योंकि उस पर रूस और चीन की नजर है।

ग्रीनलैंड की रक्षा के लिए हमें उसे अपने नियंत्रण में लेने की जरूरत है। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते साल और हालिया दिनों में कई बार कहा है कि ग्रीनलैंड का अमेरिका के नियंत्रण में होना उनके देश की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। दूसरी ओर डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ने कहा है कि वह इसके लिए तैयार नहीं है। डेनमार्क सरकार ने अमेरिका के सैन्य हमले की सूरत को नाटो के खत्म हो जाने तक की धमकी दी है। ग्रीनलैंड उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच है। यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। अपनी विशेष स्थिति (लोकेशन) की वजह से ग्रीनलैंड मिसाइल हमलों की स्थिति में अलॉ वॉर्निंग सिस्टम के लिए अहम है। जहाजों की निगरानी के लिए यी धी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

संघ बदल नहीं रहा, विकसित हो रहा है- भागवत

नई दिल्ली, 11 जनवरी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार (11 जनवरी) को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। मोहन भागवत दिल्ली स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में आने वाली फिल्म शतक के गाने के

- संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था।

एल्बम को लॉन्च किया गया। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर की कहानी बताती है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है। इस मौके पर सिंगर सुखविंदर सिंह, डायरेक्टर आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस पदाधिकारी भैयाजी जोशी मौजूद रहे। उन्होंने आगे कहा, जैसे एक बीज से अंकुर निकलता है और फलों और फूलों से लदा हुआ परिपक्व पेड़ का एक अलग रूप होता है, ये भी यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की सैटेलाइट फोन पर बातचीत पकड़ी

गणतंत्र दिवस के दौरान शांति के लिए इंटरनेशनल बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन शुरू

श्रीनगर, 11 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के कनाचक इलाके में संदिग्ध सैटेलाइट फोन कम्प्युनिकेशन ट्रेस किया गया है। सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सैटेलाइट फोन के जरिए आतंिकियों की बातचीत ट्रेस से कई जानकारीयां सामने आई हैं। बताया जा रहा है ये इलाका इंटरनेशनल बॉर्डर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर है। बातचीत इंटरसेप्ट होने के तुरंत बाद सुरक्षाबल हरकत में आए और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए

- जिस स्थान पर कम्प्युनिकेशन ट्रेस हुआ, वह अंतर्राष्ट्रीय सीमा से मात्र एक किलोमीटर दूर है। सुरक्षा बलों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों सहित पूरे क्षेत्र में तलाशी व घेराबंदी अभियान तेज कर दिया।

गए संचार का पता थुरया सैटलाइट उपकरण से लगाया गया, जिसके बाद जम्मू – कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना द्वारा संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया है। जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित कानाचक, अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज एक किलोमीटर दूर है। पहले आतंकवादियों द्वारा सीमा पर से चुसपैठ के मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

सुरक्षा बलों ने जम्मू के पहाड़ी इलाकों समेत पूरे क्षेत्र में तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिया है, ताकि क्षेत्र में सक्रिय माने जा रहे लगभग तीन दर्जन आतंकवादियों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा सके। अधिकारी ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस के दौरान शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत ये सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं होगी- डीएमके

कांग्रेस के सत्ता में साझेदारी के प्रस्ताव को डीएमके ने अस्वीकार किया

दिंडीगुल (तमिलनाडु), 11 जनवरी। ड्रविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री आई. पेरियारामाी ने रविवार को तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपने सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं हैं। पेरियारामाी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करना तमिलनाडु कांग्रेस का अधिकार है। लेकिन डीएमके हमेशा इस तरह की मांग के पक्ष में नहीं रही है। उन्होंने कहा, कभी भी गठबंधन सरकार नहीं बनी। राज्य हमेशा का नेतृत्व हमेशा डीएमके ने ही किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस रुख पर अडिग है और मुख्यमंत्री इस पर स्पष्ट हैं कि कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी।

तमिलनाडु कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के जीतने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग दोहराई है। कांग्रेस सांसद मणिक्म टेगोर ने हाल ही में कहा था कि अब सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा करने का समय है। तमिलनाडु कांग्रेस ने कहा है कि अगर गठबंधन जीतता है तो उन्हें सत्ता में हिस्सा मिलना चाहिए। 1967 से डीएमके और एआईएडीएमके ने हमेशा अपनी

- डीएमके नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी ने पहले भी चुनाव में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया पर सरकार हमेशा अकेले बनाई।

सरकार बनाई है, भले ही चुनावों में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया हो। 1952 में पहली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत नहीं ला सकी थी। उस समय गैर-कांग्रेसी

नेताओं को सरकार में जगह मिली थी। 2006-2011 में भी डीएमके ने सहयोगियों के समर्थन से पूरी पांच साल की सरकार चलाई, लेकिन सत्ता साझा नहीं की।

सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिली

नयी दिल्ली, 11 जनवरी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन प्रमुख सोनिया गांधी को रविवार शाम सर गंगाराम अस्पताल से सेहत में सुधार होने के बाद छुट्टी मिल

- प्रदूषण के कारण अस्थमा बढ़ने से वे 5 जनवरी को गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुई थीं।

गयी। टंड और दिल्ली प्रदूषण के कारण अस्थमा से जुड़े लक्षण बढ़ ने पर गांधी को पांच जनवरी को सर गंगाराम (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक्स ने गलती मानी, महिलाओं के 3 5 0 0 अश्लील कंटेंट हटाए

इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत के कानून के हिसाब से काम करने का भरोसा दिलाया

- इलैक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय ने महिलाओं के अश्लील कंटेंट 72 घंटे में हटाने के लिए एक्स को निर्देश दिए थे।

उठाई गई थी और एक्स को 72 घंटे के भीतर इन कंटेंट को हटाने हुए कार्रवाई का निर्देश दिया गया था। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के

प्लेटफार्म एक्स ने इस मामले में अपनी गलती मानते हुए इस बात का आश्वासन दिया है कि भारत में एक्स यहां के कानून के हिसाब से काम करेगा। मंत्रालय ने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत आज एडवांस सैटेलाइट लॉन्च करेगा

नई दिल्ली, 11 जनवरी। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि की ओर बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) साल 2026 के अपने लॉन्चिंग कैलेंडर की शुरुआत पीएसएलवी-सी62मिशन से करने जा रहा है। इस मिशन के तहत एक खास पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट लॉन्च किया जाएगा, जिसे भारत की सुरक्षा और निगरानी क्षमताओं के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इसरो का पीएसएलवी-सी62मिशन 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे लॉन्च होगा। यह लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा

- इस सैटेलाइट को भारत की सुरक्षा व निगरानी क्षमताओं के लिए अहम माना जा रहा है।

स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से की जाएगी। इस मिशन में एडवांस अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-एन1 को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जिसे अन्वेषा नाम दिया गया है। इसे भारत के लिए आसमान में एक और आंख माना जा रहा है। अन्वेषा एक विशेष इमेजिंग सैटेलाइट है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इसमें दुश्मन के ठिकानों की सटीक तस्वीरें लेने और मानचित्रण करने की उन्नत क्षमता है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष से भारत की निगरानी और सुरक्षा को और मजबूत करेगा। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने सीरिया में आतंकवादी आईएस के ठिकानों पर हमले किए

वॉशिंगटन, 11 जनवरी। अमेरिका ने सीरिया में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। अमरीकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को यह जानकारी दी। कमांड ने एक्स पर पोस्ट किया, ”आज, दोपहर लगभग 12:30 बजे अमरीकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने सहयोगी

- अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ये हमले, 13 दिसंबर को सीरिया के पल्मायरा में अमेरिका व सीरिया की सेनाओं पर हुए जानलेवा आई.एस. हमले के जवाब में किए गए।

सेनाओं के साथ मिलकर पूरे सीरिया में आईएस के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए।” कमांड ने कहा कि ये हमले ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक का हिस्सा थे, जिसे 13 दिसंबर को सीरिया के पल्मायरा में अमेरिका और सीरियाई सेनाओं पर हुए जानलेवा आईएस हमले के जवाब में 19 दिसंबर को शुरू किया गया था। हमले में आईएस के एक आतंकवादी ने घात लगाकर हमला किया, जिसमें दो अमरीकी सैनिक और एक अमरीकी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंत्री पद से नवाजा। बताया जाता है कि इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में मालवीया को नेता प्रतिपक्ष बनाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन एन समय में उन्हें धोखा मिला। इसके बाद मालवीया ने भाजपा का दामन थाम लिया लेकिन लोकसभा एवं विधानसभा सीट पर हार के बाद भाजपाईयों के संभवतः तेवर बदल गये और इसी के चलते मालवीया अपने को उपेक्षित समझने लगे। इधर कांग्रेस के पुराने साथियों ने भी संभवतः उन्हें घर वापसी के लिये प्रेरित किया। सूत्र तो यहां तक बताते हैं कि प्रदेश स्तर पर लंबी खिचड़ी पक रही है इसी के चलते मालवीया की वापसी की राहें बनने लगीं।